an>

Title: Need to take effective steps to curb increasing pollution level in the country.

श्री रत्न लाल कटारिया (अम्बाला) ः दिसम्बर, 2015 में पेरिस में यू.एन.एफ.सी.सी.सी. के तहत एक ऐतिहासिक जलवायु परिवर्तन करार हुआ है। पेरिस करार का उद्देश्य वैश्विक तापमान को 20 सेंटीग्रेट से नीचे रखना है। भारत घरेलू मोर्चे पर भी जलवायु संबंधी कुछ महत्वपूर्ण उपाय शुरू कर रहा है जिनमें ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का शुभारंभ और भारत का महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय रूप से निर्धारित अभीष्ट सहयोग प्रस्तुत करना भी शामिल है। भारत ने 2030 तक गैर जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा के संसाधनों से 40 प्रतिशत सिंचाई विद्युत संस्थापित क्षमता हासिल करने का महत्वपूर्ण लक्ष्य रखा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार 2015 सबसे गर्म वर्ष था। 2015 में पूर्व औद्योगिक युग से 10 सेंटीग्रेट तापमान अधिक था। यद्यपि भारत 39.0 जी.टी. के साथ यू.एस.ए., ई.यू. और चीन जैसे शीर्ष उत्सर्जक देशों से बहुत पीछे है। संयुक्त राज्य अमेरिका का उत्सर्जन भारत की तुलना में लगभग 6 गुना अधिक है। भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन विश्व में सबसे कम उत्सर्जक देशों की श्रेणी में आता है। परंतु आने वाले समय को देखते हुए और प्रदूषण की गंभीर समस्या के मद्देनज़र इस पर चर्चा करवाया जाना अति आवश्यक है।